Hi – यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका
१३:१०-२१ | 1

– Save This Page as a PDF–

यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका १३:१०-२१

खुदाई: यह सब्त-सेटिंग महिला के लिए कैसे समस्या है? यीशु के लिए? आराधनालय नेता के लिए? स्त्री ने अपना विश्वास कैसे प्रदर्शित किया? क्या मसीह आज भी चंगा करते हैं? कैसे? कब? उसका उपचार इस्राएल के उपचार की ओर कैसे संकेत करता है? सारा इस्राएल कब बचाया जाएगा? येशुआ आराधनालय के नेता के पाखंड को कैसे उजागर करता है? मौखिक ब्यबस्था ने उनकी सोच को कैसे प्रभावित किया था? महान चिकित्सक के कार्य के प्रति उचित प्रतिक्रिया क्या है? सब्त का वास्तविक उद्देश्य क्या है? राई और ख़मीर के दृष्टान्तों के बारे में एक मुख्य मुद्दा क्या है?

चिंतन: लोगों की देखभाल करने और धार्मिक नियमों का पालन करने के बीच आप किस तनाव का अनुभव करते हैं? क्या जीतने की प्रवृत्ति होती है? क्यों? आपको कब महसूस हुआ कि आपका विश्वास इतना छोटा है कि कोई मायने नहीं रखता? ये दृष्टांत आपको आपके महत्व के बारे में क्या सिखाते हैं?

जबकि गलील के पहले शिक्षण के रब्बी ने सब्त के दिन पर अपने अधिकार पर जोर दिया था (देखें Cw – यीशु एक कटे हुए हाथ बाला एक आदमी को ठीक करता है), यहाँ इस मुद्दे में सब्त का अर्थ शामिल है। किसी आराधनालय में ईसा मसीह के उपदेश देने की यह आखिरी दर्ज घटना है। वह सरसों के बीज और ख़मीर के दृष्टान्तों को दोहराकर शिक्षण का समापन करता है। परिणाम यह हुआ कि जहां लोग परमेश्वर की महिमा और शक्ति के इस प्रदर्शन से प्रसन्न हुए, वहीं आराधनालय के नेता और उनके सभी विरोधियों को अपमानित होना पड़ा।

सब्त के दिन यीशु एक आराधनालय में उपदेश दे रहा
था। नाटक शुरू होता है, और वहाँ एक महिला थी जिसे एक दुष्ट आत्मा ने अठारह साल तक

Hi – यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका
१३:१०-२१ | 2

अपंग बना दिया था। यहां व्यक्तिगत आवश्यकता पर बल दिया गया है। चूँकि इज़राइल उसकी निजी संपत्ति थी, यीशु व्यक्तिगत सदस्यों की देखभाल कर सकता था (जकर्याह ११)। उसकी रीढ़ की हड्डी मुड़ी हुई थी और वह बिल्कुल भी सीधी नहीं हो पा रही थी। इस महिला ने एडोनाई की दृष्टि में इज़राइल की स्थिति को रेखांकनपूर्वक चित्रित किया। जब यीशु ने उसे देखा, तो उसे आगे बुलाया और उससे कहा: नारी, तू अपनी दुर्बलता से मुक्त हो गई है (लूका १३:११-१२)। महासभा द्वारा उनकी अस्वीकृति के बाद, प्रभु के मंत्रालय में भारी बदलाव आया (देखें En– मसीह के मंत्रालय में चार कठोर परिवर्तन)। वह अब जनता के बीच अपने मसीहापन को प्रमाणित करने के उद्देश्य से चमत्कार नहीं कर रहा था, बल्कि केवल विश्वास के आधार पर व्यक्तियों को ठीक कर रहा था। यहां, इब्राहीम की यह बेटी, न केवल शारीरिक वंश से, बल्कि इसलिए कि वह विश्वास में एक बेटी थी जिसने महान चिकित्सक के पास आने के निमंत्रण का जवाब दिया। जब वह आगे आई, तो अपने विश्वास के प्रदर्शन के रूप में, वह ठीक हो गई।

तब यीशु ने उस पर हाथ रखा, और वह तुरन्त सीधी हो गई और परमेश्वर की स्तुति करने लगी (लूका १३:१३)। ईसा मसीह आज भी चंगा करते हैं, लेकिन वह ऐसा अपनी समय सारिणी और उद्देश्यों के अनुसार करते हैं (गूगल जोनी ईरेकसन-टाडा)। परमेश्वर की स्तुति करने का यह कार्य मसीह के कार्य के प्रति उचित प्रतिक्रिया है (लूका २:२०, ५:२५-२६, ७:१६, १७:१५, १८:४३, और २३:४७)।

यीशु राष्ट्र को अपने पास बुला रहा था, जैसे वह इस स्त्री को अपने पास बुला रहा था। हालाँकि इस्राएल ने उसे अस्वीकार कर दिया था, लेकिन राष्ट्र की स्थिति निराशाजनक नहीं थी। सुदूर युगान्तकारी भविष्य में, इज़राइल विश्वास के द्वारा मुक्ति के उनके निमंत्रण का जवाब देगा, सभी इज़राइल को बचाया जाएगा (रोमियों ११:२६)। यह महान क्लेश के अंत में होगा जब मसीह-विरोधी और दुनिया की सेनाएं पेट्रा की गर्दन के चारों ओर फंदा कस देंगी, यहूदी नेताओं को आध्यात्मिक स्पष्टता का एक क्षण मिलेगा, उन्हें अपने पाप का एहसास होगा, वे पहचानेंगे कि येशुआ वास्तव में उनका लंबा समय है मसीहा की प्रतीक्षा करें, विश्वास के साथ उसकी ओर मुड़ें, और उससे वापस आने की विनती करें (मेरी टिप्पणी प्रकाशितबाक्य Ev – यीशु मसीह के दूसरे आगमन का आधार देखें)। उन्होंने राष्ट्र को फिर से संपूर्ण बनाने की पेशकश की ताकि वे परमेश्वर के सामने ईमानदारी से चल सकें।

जबकि महिला ने उसे दी गई मुक्ति के कारण ईश्वर की महिमा की, आराधनालय के नेता ने खुले तौर पर मसीह को अस्वीकार कर दिया क्योंकि उसने सब्त पर यह चमत्कार किया था। सब्त के दिन यीशु के चंगा करने से नाराज और क्रोधित होकर, आराधनालय के नेता ने लोगों से उदास होकर कहा, “काम के लिए छह दिन हैं। इसलिये आओ और सब्त के दिन नहीं, परन्तु उन्हीं दिनों में चंगे हो जाओ” (लूका १३:१४)। यह आदमी बुद्धिमान से ज्यादा क्रोधी था। उसने मसीहा की उपचार शक्ति को स्वीकार किया, लेकिन उस पर सीधे हमला करने की हिम्मत नहीं की। उसने उस स्त्री को चुप कराने की कोशिश भी नहीं की, जो परमेश्वर की स्तुति कर रही थी। उन्होंने पहचाना कि अधिकांश लोग उस चमत्कार से

Hi – यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका
१३:१०-२१ | 3

पूरी सहानुभूति रखते थे जो यीशु ने इस गरीब, विकृत महिला पर किया था। मनुष्यों की परंपराओं (मरकुस ७:८; कुलुस्सियों २:८) के अलावा कोई अन्य तर्क नहीं होने पर, उन्होंने मौखिक ब्यबस्था की अपील की (Ei – मौखिक ब्यबस्था देखें) और पूरी तरह से मुद्दे से चूक गए। यह रवैया उस बात का समर्थन करता है जो यीशु ने पहले ही कहा था कि धार्मिक नेता दूसरों को परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने से रोकते हैं।

प्रभु ने उसे उत्तर दिया: हे कपटी लोगों! कथा में पाखंडी शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे पहले, उन्होंने भीड़ और धार्मिक नेता को पाखंडी कहा (१२:५६)। यहाँ, मसीह अपना आरोप दोहराता है। मसीहा का कहना यह था कि भक्ति का दिखावा करने के बावजूद, वे भक्ति के अलावा और कुछ नहीं थे। वे वास्तव में सब्त का अर्थ भी नहीं समझते थे।

परमेश्वर के पुत्र ने बताया कि एक व्यक्ति एक जानवर से कहीं अधिक मूल्यवान है। क्या तुम में से हर एक सब्त के दिन अपने बैल या गधे को खलिहान से खोलकर पानी पिलाने के लिये बाहर नहीं ले जाता? फरीसियों ने स्वयं इस कार्य को उल्लंघन नहीं माना, क्योंकि उन्होंने माना कि सब्त के दिन दया और आवश्यकता के कार्यों की अनुमति थी। वे अपने जानवरों के प्रति ज़िम्मेदार महसूस करते थे और उनकी ज़रूरतें पूरी करते थे। तो फिर क्या यह स्त्री, जो इब्राहीम की बेटी है, जिसे शैतान ने अठारह वर्ष से बान्ध रखा है, सब्त के दिन उस बंधन से मुक्त न की जाए जिसने उसे बांध रखा था? तो यदि सब्त के दिन जानवरों को अधिक आरामदायक बनाया जा सकता है, तो लोगों को क्यों नहीं? यीशु ने उसके पाखंड का मुखौटा फाड़ दिया। यह स्पष्ट था कि सब्त एक आशीर्वाद होना चाहिए न कि बोझ। परिणामस्वरूप, जब उसने यह कहा, तो उसके सभी विरोधियों को अपमानित होना पड़ा, परन्तु लोग उन सभी अद्भुत कामों से प्रसन्न हुए जो वह कर रहा था (लूका १३:१५-१७)।

यहां, येशुआ ने सरसों के बीज के दृष्टांत (Ew) और ख़मीर के दृष्टांत (Ex) को दोहराया है। यहां, लूका दोनों को जोड़ता है, लेकिन एक अलग संदर्भ में। लूका के वृत्तांत में, हम मसीहा को सब्त के दिन शिक्षा देते हुए देखते हैं, और उसने हाल ही में एक अपंग महिला को ठीक किया था और सब्त के संबंध में अपने विरोधियों के पाखंड को उजागर करके उन्हें अपमानित किया था। इसलिए जब वह अंततः राई और ख़मीर के दृष्टांत लाता है, तो वह रूपक बदल देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि यीशु परमेश्वर के राज्य की तुलना फरीसी यहूदी धर्म के तहत जो बन गया था, उससे कर रहे हैं। फरीसियों और टोरा-शिक्षकों ने राज्य की महानता के मुद्दे को पूरी तरह से खो दिया था, क्योंकि वे इस बात पर उलझे हुए थे कि सब्त के दिन एक अपंग महिला को ठीक किया जाना चाहिए या नहीं।

तब यीशु ने पूछा: परमेश्वर का राज्य कैसा है? मैं इसकी तुलना किससे करूं? वह सरसों के बीज के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने ले जाकर अपने बगीचे में बोया। वह असामान्य रूप से बड़ा हो गया और एक पेड़ बन गया, और आकाश के पक्षी उसकी शाखाओं पर आकर बसेरा करने लगे (लूका १३:१८-१९; मत्ती १३:३१-३२)। इसमें असामान्य बाहरी

Hi – यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका
१३:१०-२१ | 4

वृद्धि होगी जब तक कि यह एक विशालता और पक्षियों के लिए आरामगाह न बन जाए। जब बाइबल प्रतीकात्मक भाषा का उपयोग करती है, तो वह इसे लगातार उपयोग करती है। जिन पक्षियों को यहां फरीसी यहूदी धर्म के रूप में चित्रित किया गया है, वे मिट्टी के दृष्टान्तों (Et) में पक्षियों की तरह होंगे। जब वह सुसमाचार का बीज बिखेर रहा था, तो कुछ रास्ते में गिर गया, उसे रौंद दिया गया, और पक्षियों ने आकर उसे खा लिया (मत्ती १३:४; मरकुस ४:४; लूका ८:५बी) इससे पहले कि वह जड़ पकड़ता। फिर, जब बाइबल प्रतीकात्मक भाषा का उपयोग करती है, तो वह इसे लगातार उपयोग करती है। ख़मीर सदैव पाप का चित्रण करता है। यीशु ने पूछा: मैं परमेश्वर के राज्य की तुलना किससे करूँ? यह ख़मीर के समान है जिसे एक स्त्री ने लेकर लगभग साठ पौंड आटे में तब तक मिलाया जब तक वह पूरा आटा न बन जाए (लूका १३:२०-२१)।

इन दो दृष्टांतों का एक मुख्य बिंदु यह है कि फरीसी यहूदी धर्म का पाप बढ़ता रहेगा और इज़राइल राष्ट्र से सुसमाचार की सच्चाई चुराएगा।

यीशु के साथ मुलाकात हमेशा महान उपचार और गरिमा लाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि येशुआ हमें उस तरह नहीं देखता जैसे हम खुद हैं या जैसे दूसरे हमें देखते हैं। उनकी नज़र में, हम सभी का बहुत महत्व है क्योंकि हम उनसे प्यार करते हैं और उनकी छवि में बने हैं (उत्पत्ति Ao पर मेरी टिप्पणी देखें – आइए हम मनुष्य को अपनी छवि में, अपनी समानता में बनाएं)। जिस महिला को ईसा मसीह ने ठीक किया था, उसकी गरिमा इतनी छीन ली गई थी कि उसे एक प्यासे पशु से भी कम महत्वपूर्ण माना जाता था। कम से कम शबात पर तो उनकी देखभाल की जा सकती थी! लेकिन यीशु ने इस महिला को अलग तरह से देखा। उन्होंने उसे इब्राहीम की बेटी और ईश्वर के चुने हुए लोगों का सदस्य कहा। उसने उसे ठीक किया ताकि वह एक सम्मानित महिला के रूप में खड़ी हो सके, और अब शैतान के बोझ से दब न जाए।

समाज बाहरी चीज़ों को, कुछ चीज़ों को कुछ तरीक़ों से करने को इतना महत्व देता है। आराधनालय के नेता ने इब्राहीम की इस बेटी के बारे में बहुत कम और यीशु के बारे में बहुत कम सोचा। अपने पाखंड से अंधा होकर, वह देख नहीं पा रहा था कि उसकी आँखों के सामने क्या हो रहा था। परमेश्वर का राज्य बड़ी शक्ति के साथ आया था, और उसे परमेश्वर का पुत्र होने की स्वतंत्रता के लिए बुलाया। लेकिन ईश्वर कैसे कार्य करेगा, इस बारे में उसके संकीर्ण दृष्टिकोण के कारण वह इससे चूक गया। उनका गलत मानना था कि ईश्वर केवल “कार्य सप्ताह” के दौरान ही ठीक करेंगे, आराम के आधिकारिक दिन पर नहीं।

शायद हमारा अनुभव भी उस महिला जैसा है। प्रतिद्वंद्वी द्वारा हम पर गहरा बोझ डाला जा सकता है। हम दर्दनाक अनुभवों या दुर्बल करने वाली बीमारी के कारण अपनी गरिमा छीने हुए महसूस कर सकते हैं। शायद हम आराधनालय के नेता की तरह हैं, जो आदेशों और कर्तव्यों से अंधे हो गए हैं और प्रेम की प्राथमिकता को समझने में असमर्थ हैं। हम शायद इस हद तक कठोर और आलोचनात्मक हो गए हैं कि हम यह नहीं देख

Hi – यीशु ने सब्त के दिन एक अपंग स्त्री को चंगा किया लूका
१३:१०-२१ | 5

पाते कि हम – और अन्य – वास्तव में परमेश्वर की नज़र में कितने मूल्यवान हैं।

आइए हम इस बारे में इतने आश्वस्त न हों कि ईश्वर कैसे कार्य करेगा कि हम उसे उन सीमाओं के बाहर काम करने की स्वतंत्रता न दें जो हमने उसके लिए निर्धारित की हैं। यीशु हमें ऐसी किसी भी चीज़ से आज़ाद कर सकते हैं जो हमें बांधती है या उत्पीड़ित करती है, भले ही वह चाहें तो शारीरिक रूप से भी। आइए अब उसकी ओर मुड़ें ताकि वह हमें उस गरिमा को बहाल कर सके जो हममें से प्रत्येक के पास है, परमेश्वर के प्यारे बेटे और बेटियों के रूप में।

प्रभु यीशु, हमें हमारी बीमारियों, बोझों और घावों से ठीक करें। हमें शैतान की शक्ति से मुक्त करो और हमें अपने प्रति प्रेम से भर दो ताकि इब्राहीम की इस बेटी की तरह, हम भी उस सम्मान के लिए आपकी प्रशंसा कर सकें जो आपने हमें दिया है।